



ΕΦΗΜΕΡΙΣ ΤΗΣ ΚΥΒΕΡΝΗΣΕΩΣ

ΤΗΣ ΕΛΛΗΝΙΚΗΣ ΔΗΜΟΚΡΑΤΙΑΣ

ΑΘΗΝΑ
5 ΝΟΕΜΒΡΙΟΥ 1987

ΤΕΥΧΟΣ ΤΕΤΑΡΤΟ

ΑΡΙΘΜΟΣ ΦΥΛΛΟΥ
1081

ΠΕΡΙΕΧΟΜΕΝΑ

ΠΟΛΕΟΔΟΜΙΑ ΑΠΟΦΑΣΕΙΣ

- | | |
|---|---|
| Έγκριση τροποποίησης όρων δόμησης στο Ν. Αχαΐας. | 1 |
| Έγκριση αναθεώρησης του ρυμοτομικού σχεδίου πόλεως Χαλκίδας. | 2 |
| Άρση ασυμφωνίας του εγκεκριμένου σχεδίου πόλεως Μυτιλήνης στην οδό Πύρρας. | 3 |

ΠΟΛΕΟΔΟΜΙΑ ΑΠΟΦΑΣΕΙΣ

Αριθ. X 12520

Έγκριση τροποποίησης όρων δόμησης στο Ν. Αχαΐας.
Ο ΝΟΜΑΡΧΗΣ ΑΧΑΪΑΣ

Έχοντας υπόψη:

1. Τις δ/ξεις του Ν. 1337/83 και ειδικότερα το άρθρο 6 παρ. 6 αυτού.
2. Το Π.Δ. 183Α/1986 «περί μεταφοράς αρμοδιοτήτων στους κατά τόπους Νομάρχες» και ειδικότερα το άρθρο 1 αυτού.
3. Το ΦΕΚ 1206Δ/22.12.86 «περί έγκρισης Π. Μ. επέκτασης πε-

ριοχής Ν. Πλαστήρα Αιγίου».

4. Την υπ' αρ. 3206/5.10.84 εισήγηση του Πολεοδομικού Γραφείου Αιγίου.

5. Το υπ' αρ. 18/1/7.10.87 πρακτικό έγκρισης του ΣΧΟΠ Ν. Αχαΐας που εισηγείται την εν λόγω τροποποίηση, αποφασίζουμε:

1. Εγκρίνουμε την τροποποίηση των όρων δόμησης που αναφέρονται στο άρθρο 7 του Π.Δ. 1206Δ/22.12.86 και αφορούν το χώρο για την ανέγερση δικαστηρίου στο Αίγιο ως εξής:

α) Συντελεστής δόμησης 1,2.

β) Ποσοστό κάλυψης 70%.

γ) μέγιστο επιτρεπόμενο ύψος 17.00 μ.

Η απόφαση αυτή να δημοσιευθεί στην Εφημερίδα της Κυβερνήσεως.

Πάτρα, 9 Οκτωβρίου 1987

Ο Νομάρχης
Δ. ΠΑΝΤΑΖΗΣ

Αριθ. 7.777/ΕΠΑ 1.389

(2)

Έγκριση αναθεώρησης του ρυμοτομικού σχεδίου πόλεως Χαλκίδας.
Ο ΝΟΜΑΡΧΗΣ ΕΥΒΟΙΑΣ

Έχοντας υπόψη:

1. Τον Ν. 1337/83 και ειδικότερα τις διατάξεις των άρθρων 1, 2 αυτού για τον καθορισμό του ορίου Πολεοδομικής ενότητας.
 2. Την απόφαση του Υπουργού ΠΕ.ΧΩ.ΔΕ για κίνηση της διαδικασίας σύνταξης μελέτης Γ.Π.Σ. στην Πόλη της Χαλκίδας (άρθ. 3 του Ν. 1337/83).
 3. Την από 25 Φεβρουαρίου 1987 (ΦΕΚ 137Δ) απόφαση για έγκριση του Γ.Π.Σ. Χαλκίδας.
 4. Το άρθρο 7 του Ν. 1337/83 για την διαδικασία έγκρισης της Πολεοδομικής μελέτης.
 5. Το Δ/γμα της 17-7/16.8.1923.
 6. Το Π. Δ/γμα 81 της 23/29.1.1980 σύμφωνα με το οποίο καθορίζονται οι χρήσεις γης στις περιοχές χμιγούς & γενικής κατοικίας.
 7. Την 5.318/6.10.87 εισήγηση του Τ.Π. & Π.Ε. προς το ΣΧΟΠ Ν. Ευβοίας.
 8. Την 10η γνωμοδότηση 15ου/7.10.87 Πρακτικού του ΣΧΟΠ Ευβοίας.
 9. Την 86 του 87 Απόφαση του Δ.Σ. του Δήμου Χαλκίδας.
 10. Την 1/1961 εγκύκλιο του Υπουργείου Δημ. Έργων.
 11. Την εκπονηθείσα μελέτη αναθεώρησης συνοικίας «Ε» στα πλαίσια της ΕΠΑ.
 12. Την 117/28.6.86 με Αριθ. Πρωτ. 48.467/1884 εγκύκλιο του Υ.ΠΕ.ΧΩ.ΔΕ, αποφασίζουμε:
1. Εγκρίνουμε την αναθεώρηση του ρυμοτομικού σχεδίου Πόλεως Χαλκίδας που περιλαμβάνεται μέσα στα όρια της καθορισμένης από το Γ.Π.Σ. συνοικίας «Ε», όπως φαίνεται στους εννέα χάρτες Π.2.1. υπό κλίμακα 1:1.000.
- Από το παραπάνω αναθεωρούμενο τμήμα, εξαιρούνται θύλακες συνολικού εμβαδού 215 στρέμ. περίπου, ή αναθεώρηση των οποίων θα γίνει σε επόμενη φάση και οι οποίοι δεν έχουν βαφεί με τις οικοδομικές (κόκκινες) και ρυμοτομικές (πράσινες) γραμμές στους παραπάνω χάρτες.
2. Εγκρίνουμε τις ζώνες κινήτρων και Πολεοδομικών μηχανισμών με τον καθορισμό ζωνών μεταφοράς συντελεστή (φαίνονται στους ίδιους χάρτες).
3. Τον καθορισμό κατά τομέα των πιο κάτω όρων δόμησης.
- Τομέας Ι.**
- Περιλαμβάνει την γενική κατοικία (όπως ορίζεται με το Π. Δ/γμα (81/23/29.1.80 άρθρο 5 παρ. 1 & 2) για τα οποία ισχύουν οι εξής όροι δόμησης.
- α) Για το ισόγειο μόνο των οικοδομών ορίζεται διάγραμμα κάλυψης μέχρι 100% & επιβάλλεται στοά πλάτους τεσσάρων μέτρων, όπως φαίνεται στο ρυμοτομικό σχέδιο.
- β) Για τους λοιπούς ορόφους ισχύει ποσοστό κάλυψης κατά ΓΟΚ με την επιφύλαξη της αμέσως επομένης παραγράφου.
- γ) Η οικοδομική γραμμή διαμορφώνεται υποχρεωτικά με μόνιμα στοιχεία καθ' όλο της το μήκος και μέχρι ανωτάτου ύψους 12 δώδεκα μέτρων.
- δ) Εξώστες ανοικτοί στην πρόσοψη απαγορεύονται για τους πάνω από το ισόγειο ορόφους.
- ε) Επιτρέπεται η διαμόρφωση ημιυπαίθριων χώρων πάνω από τα πέντε μέτρα και είκοσι εκατοστά.
- στ) Η αφετηρία μέτρησης των υψών των κτιρίων είναι σταθερή για κάθε οικοδομικό τετράγωνο και καθορίζεται από την υψομετρική μελέτη του Δήμου.
- ζ) Η στοά - όπου προβλέπεται έχει υποχρεωτικό ύψος πέντε μέτρων

και είκοσι εκατοστών με αφετηρία μέτρησης την σταθερή στάθμη του περιβάλλοντος χώρου, όπως αυτή ορίζεται με την προηγούμενη παράγραφο.

η) Μετά την εξάντληση του μέγιστου ύψους στην πρόσοψη του κτιρίου, ο τυχόν περισσεύων συντελεστής δόμησης μπορεί να πραγματοποιηθεί σε ελάχιστη εσοχή από την πρόσοψη, δυόμισυ μέτρων και σε ελεύθερη διάταξη εντός των ορίων που ορίζει ο ΓΟΚ.

θ) Η γραμμή απόληξης επί της οικοδομικής γραμμής και στην στάθμη του ανώτατου ύψους 12 μ. διαμορφώνεται υποχρεωτικά αν ο συντελεστής δόμησης δεν επαρκεί γι' αυτό, μειώνεται αντίστοιχα το ποσοστό κάλυψης.

ι) Στο ισόγειο επιτρέπεται η κατασκευή μεσοπατώματος με υποχρεωτικό ελεύθερο ύψος δύο μέτρα και σαράντα εκατοστά. Το απομένον ελεύθερο ύψος ισούγεται ορίζεται και αυτό σε δύο μέτρα και σαράντα εκατοστά.

Το μεσοπάτωμα μπορεί να επεκτείνεται και στη στοά καθώς και σε πρόβολο εξώστη πλάτους μέχρι δύο μέτρων από την οικοδομική γραμμή το πολύ 0,5 μ. εσωτερικά του πεζοδρομίου.

ια) Ο εξώστης του μεσοπατώματος θα έχει πλήρες στηθαίο συνολικού ύψους ενός μέτρου και τριάντα εκατοστών με αφετηρία τη στάθμη δύο μέτρων και σαράντα εκατοστών από το δάπεδο του ισογείου. Κατά την χρήση της Επιτροπής Αρχιτεκτονικού ελέγχου όπου αυτό απαιτείται για λειτουργικούς λόγους μπορεί να επιτρέπεται η σύνδεση του εξώστη του μεσοπατώματος την περιβάλλουσα πλατεία με κλίμακα του αυτού στηθαίου.

ιβ) Ο Συντελεστής δόμησης ορίζεται σε 1,4 και 1,8 στους αντίστοιχους τομείς του εγκεκριμένου σχεδίου, σύμφωνα με τα ισχύοντα με δυνατότητα να φθάσει μέχρι 2,4, εφ' όσον γίνεται χρήση μεταφοράς συντελεστή. Στις περιοχές που ο ισχύων συντελεστής είναι 2,6 δεν γίνεται χρήση μεταφοράς συντελεστή.

ιγ) Ειδικά στην περιοχή των εργατικών κατοικιών της περιοχής Καμάρες για τους τομείς γενικής κατοικίας ορίζεται συντελεστής δόμησης 1,8 με δυνατότητα να φθάσει το 2,4 εφ' όσον γίνει χρήση μεταφοράς συντελεστή.

ιδ) Αρτιότητα οικοπέδων όπως ισχύει σήμερα.

Τομέας II

α) Επιτρεπόμενη χρήση αμιγής κατοικίας σύμφωνα με το άρθρο 4, παράγρ. 1 και 2, του Π.Δ. 81 της 23/29.1.1980 (ΦΕΚ 27-Α'). Εξαιρούνται τα οικοπέδα που έχουν πρόσωπο (στοις ήδη διαμορφωμένους κύριους άξονες της περιοχής, επί των οδών Νεοφύτου, Λεωφ. Χαϊνά, οδός Λιλιαντίων Αβάντων, για τα οποία παραμένει η χρήση της γενικής κατοικίας σύμφωνα με τις παρ. 1 & 2 άρθ. 5 Π.Δ. 81/1980.

β) Ανώτατος επιτρεπόμενος συντελεστής δόμησης παραμένει ως έχει σήμερα (Π.Δ. 2.1.79/ΦΕΚ 105Δ/20.2.1979).

γ) Ειδικά για την περιοχή των εργατικών κατοικιών στις Καμάρες, στα νέα Ο.Τ. αμιγούς κατοικίας ορίζεται συντελεστής δόμησης 1,8.

δ) Αρτιότητα οικοπέδων, όπως ισχύει σήμερα.

ε) Κατά τα λοιπά ισχύει ο Γ.Ο.Κ.

Τομέας III

Επιτρεπόμενη χρήση κοινωφελείς & κοινόχρηστες λειτουργίες. Τα οικοπέδα θεωρούνται άρτια όπως καθορίζονται από την Πολεοδομική μελέτη.

Επιτρεπόμενος Σ.Δ. 2, 4

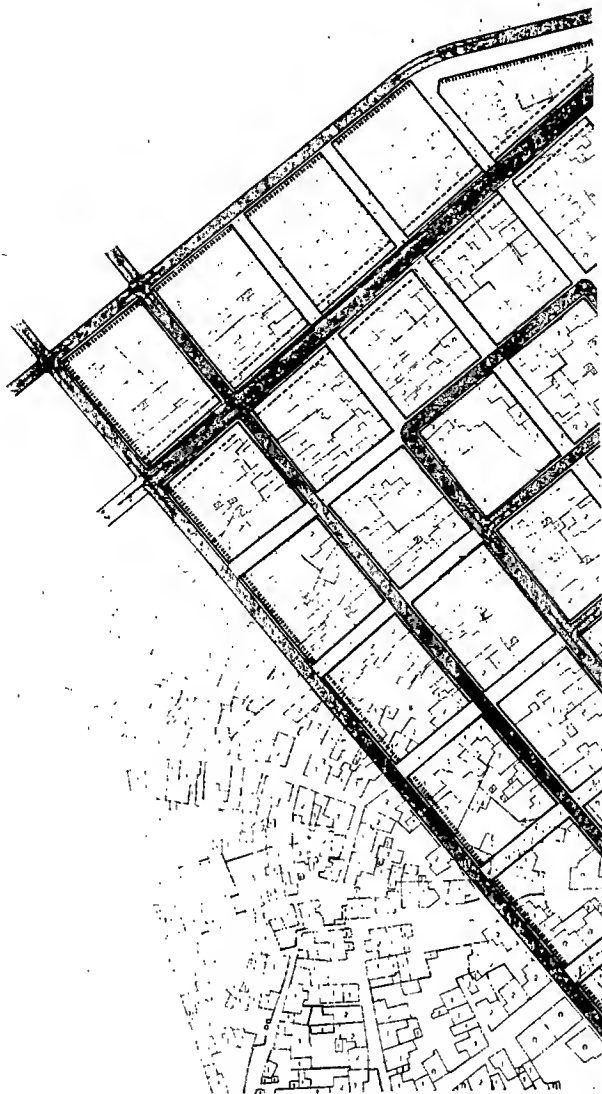
Κατά τα λοιπά ισχύει ο ΓΟΚ.

Χαλκίδα, 12 Οκτωβρίου 1987

Ο Νομάρχης

ΝΙΚΟΣ ΜΙΧΑΛΟΠΟΥΛΟΣ

ΚΤΗΜΑΤΟΛΟΓΙΚΟ ΔΙΑΓΡΑΜΜΑ

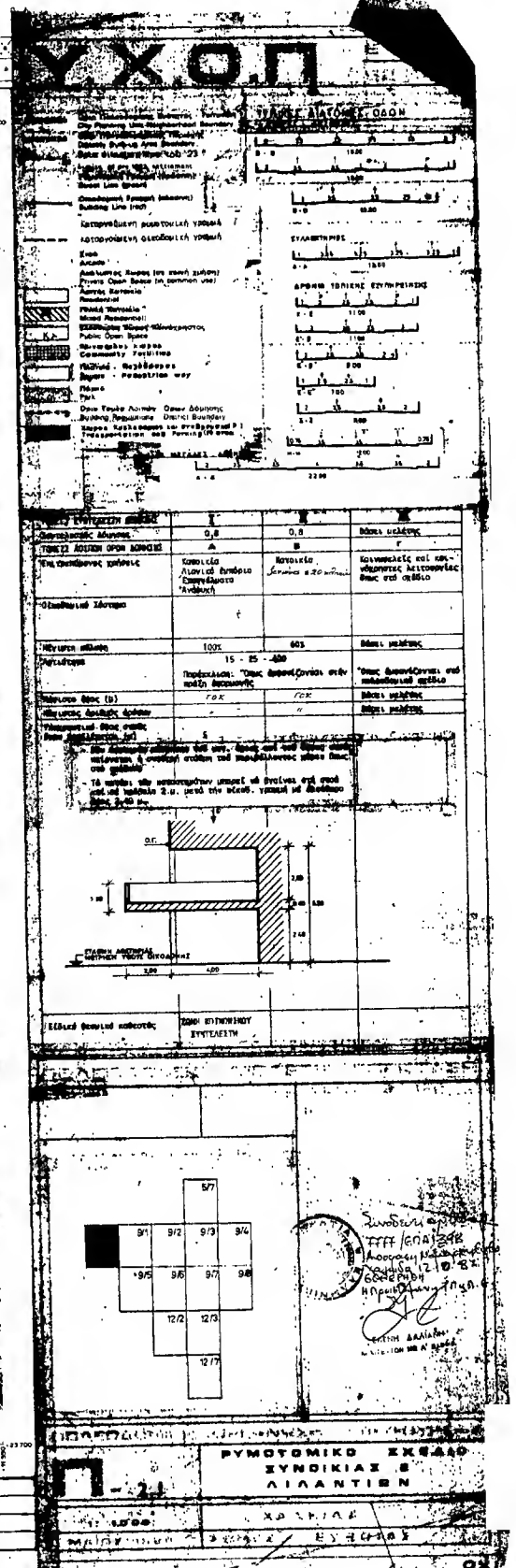


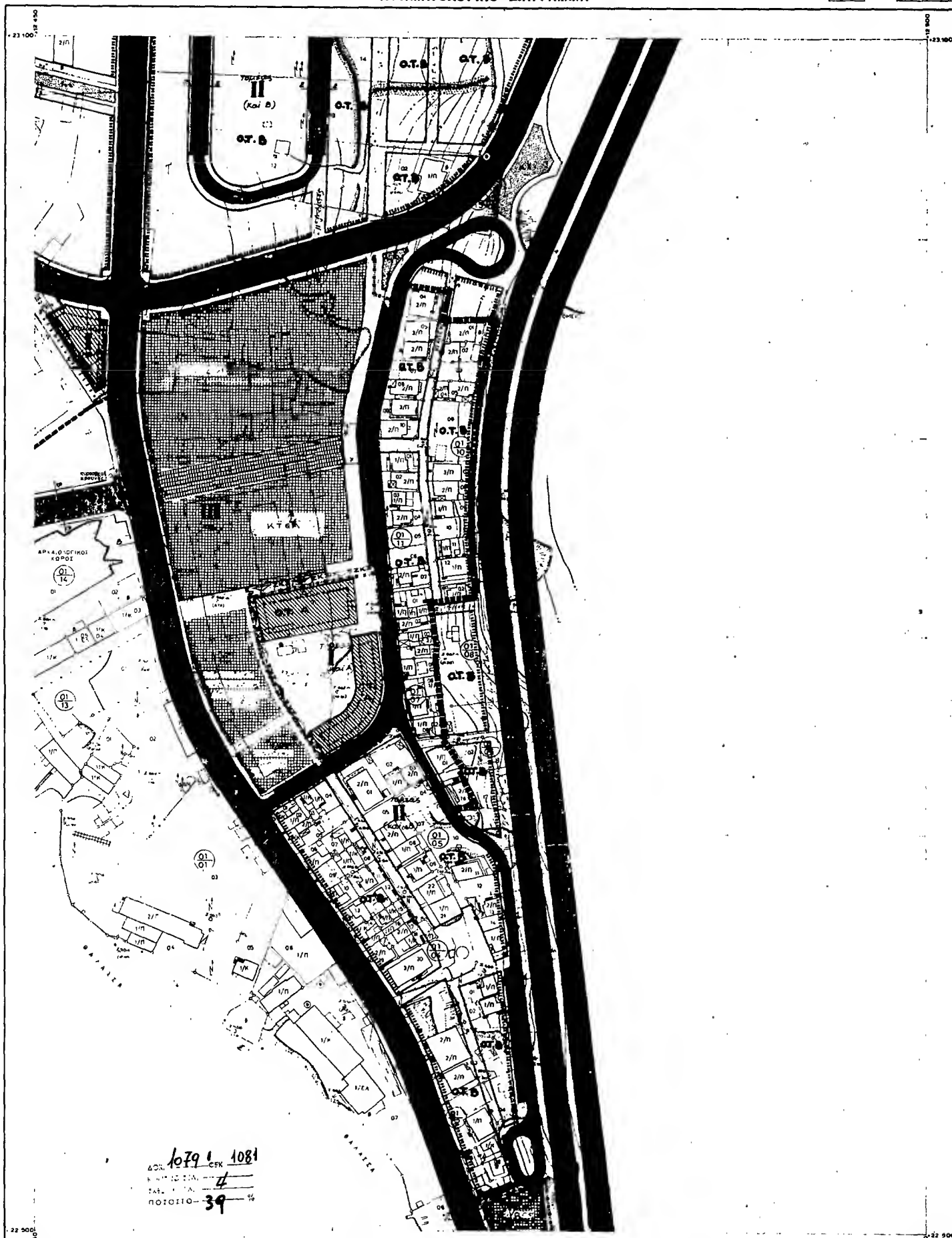
Ο ΔΗΛΩΣΗ

ΑΡΙΣΤΟΤΕΛΗΣ ΓΡΑΜΜΑΤΕΥΣ

ΥΠΟΓΡΑΦΗ ΜΗΛΕΤΗΣ

| | | |
|----------------|-----|-----------------|
| ΗΜΕΡΑ | 30 | ΕΥΡΩΠΑ |
| ΑΝΗΡ | 001 | ΣΑΚΑΛΕΩΝ |
| ΜΕΘΕΡΕΣ ΕΥΡΩΠΕ | | ΦΥΤΟΓΡΑΜΜΕΤΡΙΚΗ |
| ΣΠΕΡΕΣ ΕΥΡΩΠΕ | | 1985 |





ΠΡΟΒΟΛΙΚΟ ΣΥΣΤΗΜΑ NATT

Κ.Θ.Χ. ΧΑΛΚΙΣ .

 $\phi = +35^{\circ} 15'$ $\lambda = 0^{\circ} 15'$

Ο ΕΠΙΒΑΛΩΝ

ΓΕΩΡΓΙΟΣ ΜΠΑΜΠΑΝΗΣ
ΤΟΠΟΓΡΑΦΟΣ ΜΗΧΑΝΙΚΟΣ

Κλίμακα 1:1.000

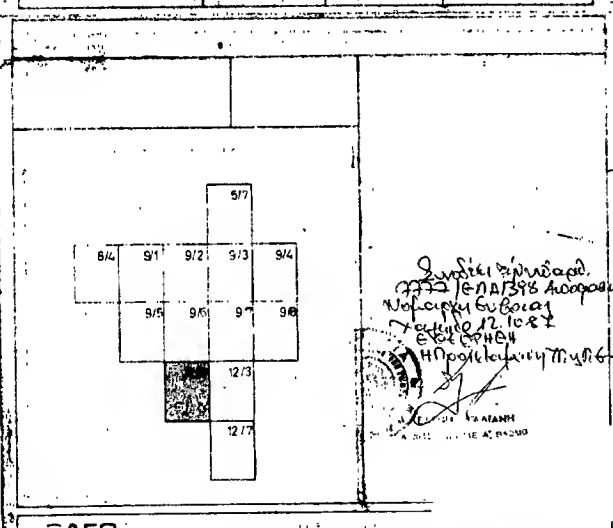
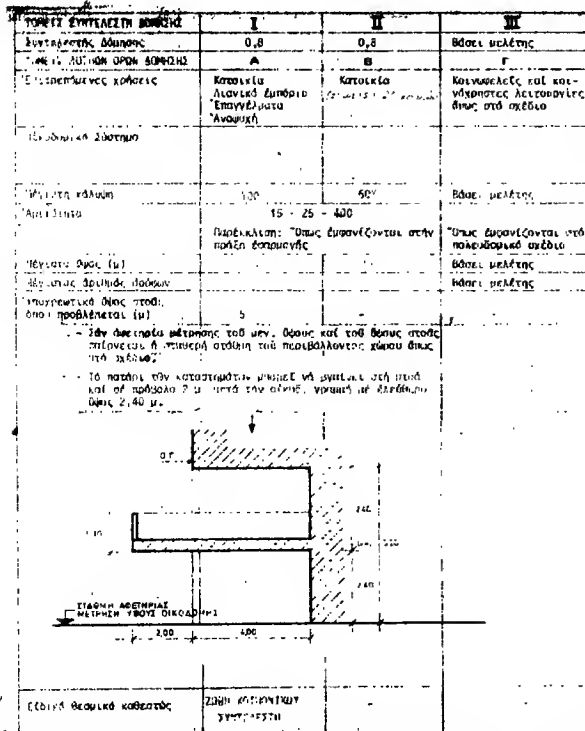
Ο ΑΝΑΔΟΧΟΣ

ΑΡΙΣΤΟΤΕΛΗΣ ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΑΣ
ΤΟΠΟΓΡΑΦΟΙ ΜΗΧΑΝΙΚΟΙ

| | | |
|------------------|-----|-------------|
| ΝΟΜΟΣ | 30 | ΕΥΘΟΙΑΣ |
| ΔΗΜΟΣ | 001 | ΧΑΛΚΙΔΕΩΝ |
| ΜΕΘΟΔΟΣ ΣΥΝΤΑΞΗΣ | | ΤΑΧΥΜΕΤΡΙΚΗ |
| Χρόνος Σύνταξης | | 1984 |

Τ. Π. & Π. Ε.

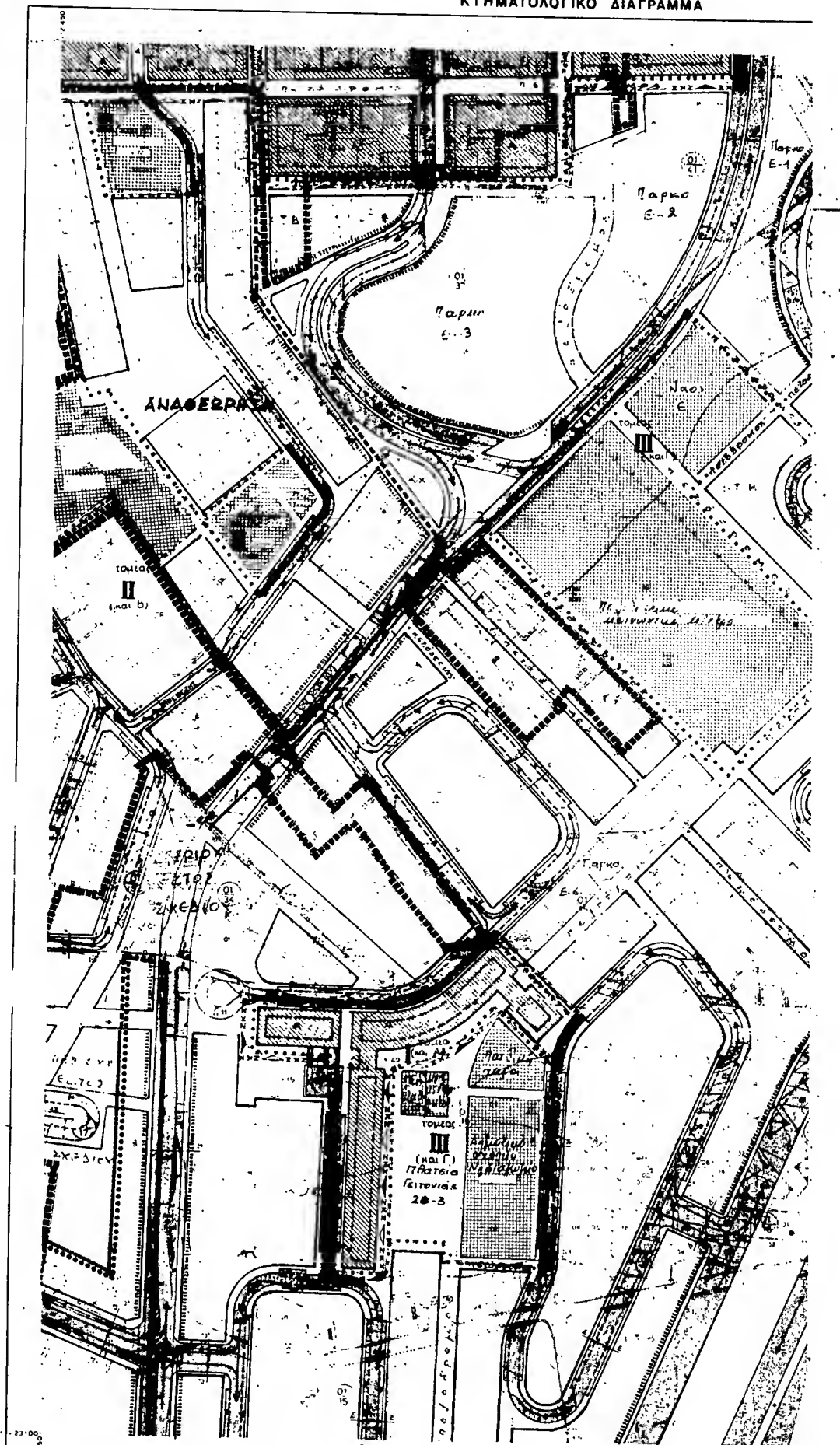
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 | 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 | 613 | 614 | 615 | 616 | 617 | 618 | 619 | 620 | 621 | 622 | 623 | 624 | 625 | 626 | 627 | 628 | 629 | 630 | 631 | 632 | 633 | 634 | 635 | 636 | 637 | 638 | 639 | 640 | 641 | 642 | 643 | 644 | 645 | 646 | 647 | 648 | 649 | 650 | 651 | 652 | 653 | 654 | 655 | 656 | 657 | 658 | 659 | 660 | 661 | 662 | 663 | 664 | 665 | 666 | 667 | 668 | 669 | 670 | 671 | 672 | 673 | 674 | 675 | 676 | 677 | 678 | 679 | 680 | 681 | 682 | 683 | 684 | 685 | 686 | 687 | 688 | 689 | 690 | 691 | 692 | 693 | 694 | 695 | 696 | 697 | 698 | 699 | 700 | 701 | 702 | 703 | 704 | 705 | 706 | 707 | 708 | 709 | 710 | 711 | 712 | 713 | 714 | 715 | 716 | 717 | 718 | 719 | 720 | 721 | 722 | 723 | 724 | 725 | 726 | 727 | 728 | 729 | 730 | 731 | 732 | 733 | 734 | 735 | 736 | 737 | 738 | 739 | 740 | 741 | 742 | 743 | 744 | 745 | 746 | 747 | 748 | 749 | 750 | 751 | 752 | 753 | 754 | 755 | 756 | 757 | 758 | 759 | 760 | 761 | 762 | 763 | 764 | 765 | 766 | 767 | 768 | 769 | 770 | 771 | 772 | 773 | 774 | 775 | 776 | 777 | 778 | 779 | 780 | 781 | 782 | 783 | 784 | 785 | 786 | 787 | 788 | 789 | 790 | 791 | 792 | 793 | 794 | 795 | 796 | 797 | 798 | 799 | 800 | 801 | 802 | 803 | 804 | 805 | 806 | 807 | 808 | 809 | 810 | 811 | 812 | 813 | 814 | 815 | 816 | 817 | 818 | 819 | 820 | 821 | 822 | 823 | 824 | 825 | 826 | 827 | 828 | 829 | 830 | 831 | 832 | 833 | 834 | 835 | 836 | 837 | 838 | 839 | 840 | 841 | 842 | 843 | 844 | 845 | 846 | 847 | 848 | 849 | 850 | 851 | 852 | 853 | 854 | 855 | 856 | 857 | 858 | 859 | 860 | 861 | 862 | 863 | 864 | 865 | 866 | 867 | 868 | 869 | 870 | 871 | 872 | 873 | 874 | 875 | 876 | 877 | 878 | 879 | 880 | 881 | 882 | 883 | 884 | 885 | 886 | 887 | 888 | 889 | 890 | 891 | 892 | 893 | 894 | 895 | 896 | 897 | 898 | 899 | 900 | 901 | 902 | 903 | 904 | 905 | 906 | 907 | 908 | 909 | 910 | 911 | 912 | 913 | 914 | 915 | 916 | 917 | 918 | 919 | 920 | 921 | 922 | 923 | 924 | 925 | 926 | 927 | 928 | 929 | 930 | 931 | 932 | 933 | 934 | 935 | 936 | 937 | 938 | 939 | 940 | 941 | 942 | 943 | 944 | 945 | 946 | 947 | 948 | 949 | 950 | 951 | 952 | 953 | 954 | 955 | 956 | 957 | 958 | 959 | 960 | 961 | 962 | 963 | 964 | 965 | 966 | 967 | 968 | 969 | 970 | 971 | 972 | 973 | 974 | 975 | 976 | 977 | 978 | 979 | 980 | 981 | 982 | 983 | 984 | 985 | 986 | 987 | 988 | 989 | 990 | 991 | 992 | 993 | 994 | 995 | 996 | 997 | 998 | 999 | 1000 | 1001 | 1002 | 1003 | 1004 | 1005 | 1006 | 1007 | 1008 | 1009 | 1010 | 1011 | 1012 | 1013 | 1014 | 1015 | 1016 | 1017 | 1018 | 1019 | 1020 | 1021 | 1022 | 1023 | 1024 | 1025 | 1026 | 1027 | 1028 | 1029 | 1030 | 1031 | 1032 | 1033 | 1034 | 1035 | 1036 | 1037 | 1038 | 1039 | 1040 | 1041 | 1042 | 1043 | 1044 | 1045 | 1046 | 1047 | 1048 | 1049 | 1050 | 1051 | 1052 | 1053 | 1054 | 1055 | 1056 | 1057 | 1058 | 1059 | 1060 | 1061 | 1062 | 1063 | 1064 | 1065 | 1066 | 1067 | 1068 | 1069 | 1070 | 1071 | 1072 | 1073 | 1074 | 1075 | 1076 | 1077 | 1078 | 1079 | 1080 | 1081 | 1082 | 1083 | 1084 | 1085 | 1086 | 1087 | 1088 | 1089 | 1090 | 1091 | 1092 | 1093 | 1094 | 1095 | 1096 | 1097 | 1098 | 1099 | 1100 | 1101 | 1102 | 1103 | 1104 | 1105 | 1106 | 1107 | 1108 | 1109 | 1110 | 1111 | 1112 | 1113 | 1114 | 1115 | 1116 | 1117 | 1118 | 1119 | 1120 | 1121 | 1122 | 1123 | 1124 | 1125 | 1126 | 1127 | 1128 | 1129 | 1130 | 1131 | 1132 | 1133 | 1134 | 1135 | 1136 | 1137 | 1138 | 1139 | 1140 | 1141 | 1142 | 1143 | 1144 | 1145 | 1146 | 1147 | 1148 | 1149 | 1150 | 1151 | 1152 | 1153 | 1154 | 1155 | 1156 | 1157 | 1158 | 1159 | 1160 | 1161 | 1162 | 1163 | 1164 | 1165 | 1166 | 1167 | 1168 | 1169 | 1170 | 1171 | 1172 | 1173 | 1174 | 1175 | 1176 | 1177 | 1178 | 1179 | 1180 | 1181 | 1182 | 1183 | 1184 | 1185 | 1186 | 1187 | 1188 | 1189 | 1190 | 1191 | 1192 | 1193 | 1194 | 1195 | 1196 | 1197 | 1198 | 1199 | 1200 | 1201 | 1202 | 1203 | 1204 | 1205 | 1206 | 1207 | 1208 | 1209 | 1210 | 1211 | 1212 | 1213 | 1214 | 1215 | 1216 | 1217 | 1218 | 1219 | 1220 | 1221 | 1222 | 1223 | 1224 | 1225 | 1226 | 1227 | 1228 | 1229 | 1230 | 1231 | 1232 | 1233 | 1234 | 1235 | 1236 | 1237 | 1238 | 1239 | 1240 | 1241 | 1242 | 1243 | 1244 | 1245 | 1246 | 1247 | 1248 | 1249 | 1250 | 1251 | 1252 | 1253 | 1254 | 1255 | 1256 | 1257 | 1258 | 1259 | 1260 | 1261 | 1262 | 1263 | 1264 | 1265 | 1266 | 1267 | 1268 | 1269 | 1270 | 1271 | 1272 | 1273 | 1274 | 1275 | 1276 | 1277 | 1278 | 1279 | 1280 | 1281 | 1282 | 1283 | 1284 | 1285 | 1286 | 1287 | 1288 | 1289 | 1290 | 1291 | 1292 | 1293 | 1294 | 1295 | 1296 | 1297 | 1298 | 1299 | 1300 | 1301 | 1302 | 1303 | 1304 | 1305 | 1306 | 1307 | 1308 | 1309 | 1310 | 1311 | 1312 | 1313 | 1314 | 1315 | 1316 | 1317 | 1318 | 1319 | 1320 | 1321 | 1322 | 1323 | 1324 | 1325 | 1326 | 1327 | 1328 | 1329 | 1330 | 1331 | 1332 | 1333 | 1334 | 1335 | 1336 | 1337 | 1338 | 1339 | 1340 | 1341 | 1342 | 1343 | 1344 | 1345 | 1346 | 1347 | 1348 | 1349 | 1350 | 1351 | 1352 | 1353 | 1354 | 1355 | 1356 | 1357 | 1358 | 1359 | 1360 | 1361 | 1362 | 1363 | 1364 | 1365 | 1366 | 1367 | 1368 | 1369 | 1370 | 1371 | 1372 | 1373 | 1374 | 1375 | 1376 | 1377 | 1378 | 1379 | 1380 | 1381 | 1382 | 1383 | 1384 | 1385 | 1386 | 1387 | 1388 | 1389 | 1390 | 1391 | 1392 | 1393 | 1394 | 1395 | 1396 | 1397 | 1398 | 1399 | 1400 | 1401 | 1402 | 1403 | 1404 | 1405 | 1406 | 1407 | 1408 | 1409 | 1410 | 1411 | 1412 | 1413 | 1414 | 1415 | 1416 | 1417 | 1418 | 1419 | 1420 | 1421 | 1422 | 1423 | 1424 | 1425 | 1426 | 1427 | 1428 | 1429 | 1430 | 1431 | 1432 | 1433 | 1434 | 1435 | 1436 | 1437 | 1438 | 1439 | 1440 | 1441 | 1442 | 1443 | 1444 | 1445 | 1446 | 1447 | 1448 | 1449 | 1450 | 1451 | 1452 | 1453 | 1454 | 1455 | 1456 | 1457 | 1458 | 1459 | 1460 | 1461 | 1462 | 1463 | 1464 | 1465 | 1466 | 1467 | 1468 | 1469 | 1470 | 1471 | 1472 | 1473 | 1474 | 1475 | 1476 | 1477 | 1478 | 14 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|----|



| | |
|----------|--|
| 2.1 | ΡΥΘΜΟΜΙΚΟ ΙΧΕΔΙΟ ΣΥΝΟΙΚΙΑΣ Ε ΑΙΓΑΛΕΙΩΝ |
| 11.10.00 | ΚΑΤΑΣΤΑΣΗ |

ΚΟΜΑΡΤΙΑ ΕΥΒΟΙΑΣ
Τ. Π. & Π. Ε.

ΚΤΗΜΑΤΟΛΟΓΙΚΟ ΔΙΑΓΡΑΜΜΑ



ΠΡΟΒΟΛΙΚΟ ΣΥΣΤΗΜΑ NAD
Κ.Φ.Χ. ΧΑΛΚΙΣ

Ο ΕΠΙΒΛΕΠΩΝ

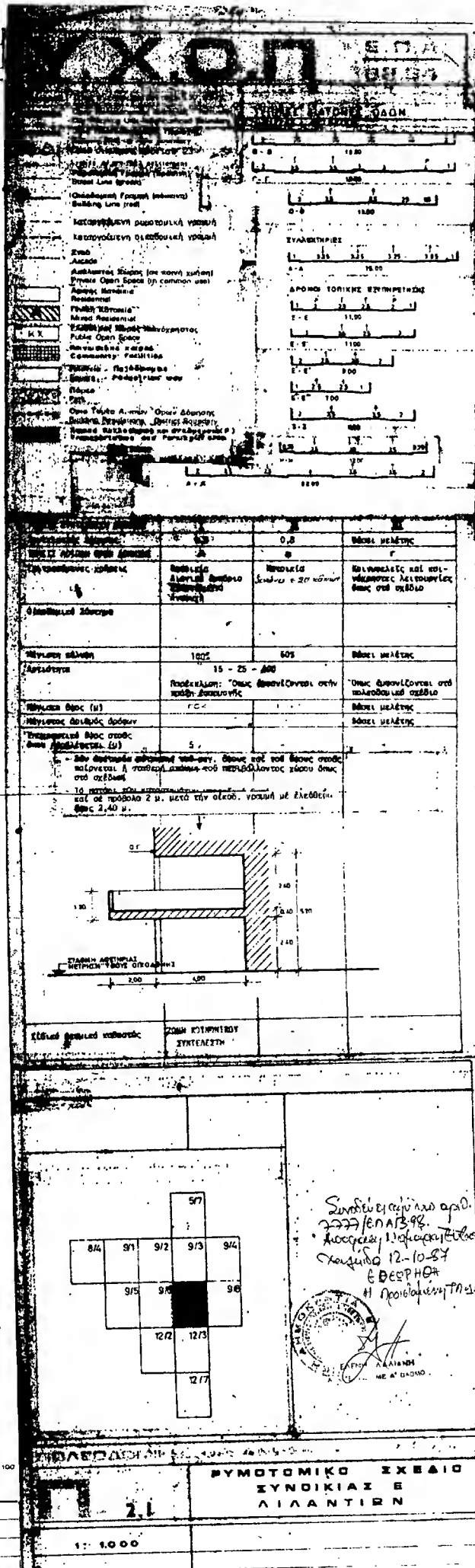
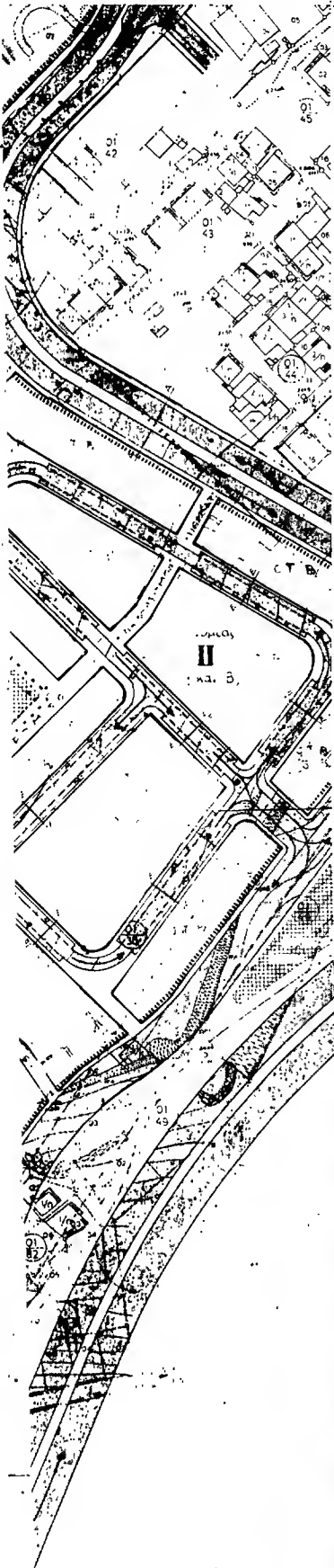
Κλίμακα 1:1000

Ο ΑΝΑΔΟΧΟΣ

φ. 38° 15'
λ. 0° 15'

ΓΕΩΡΓΙΟΣ ΜΠΑΜΠΑΝΗΣ
ΤΕΧΝΙΚΟΣ ΜΗΧΑΝΙΚΟΣ

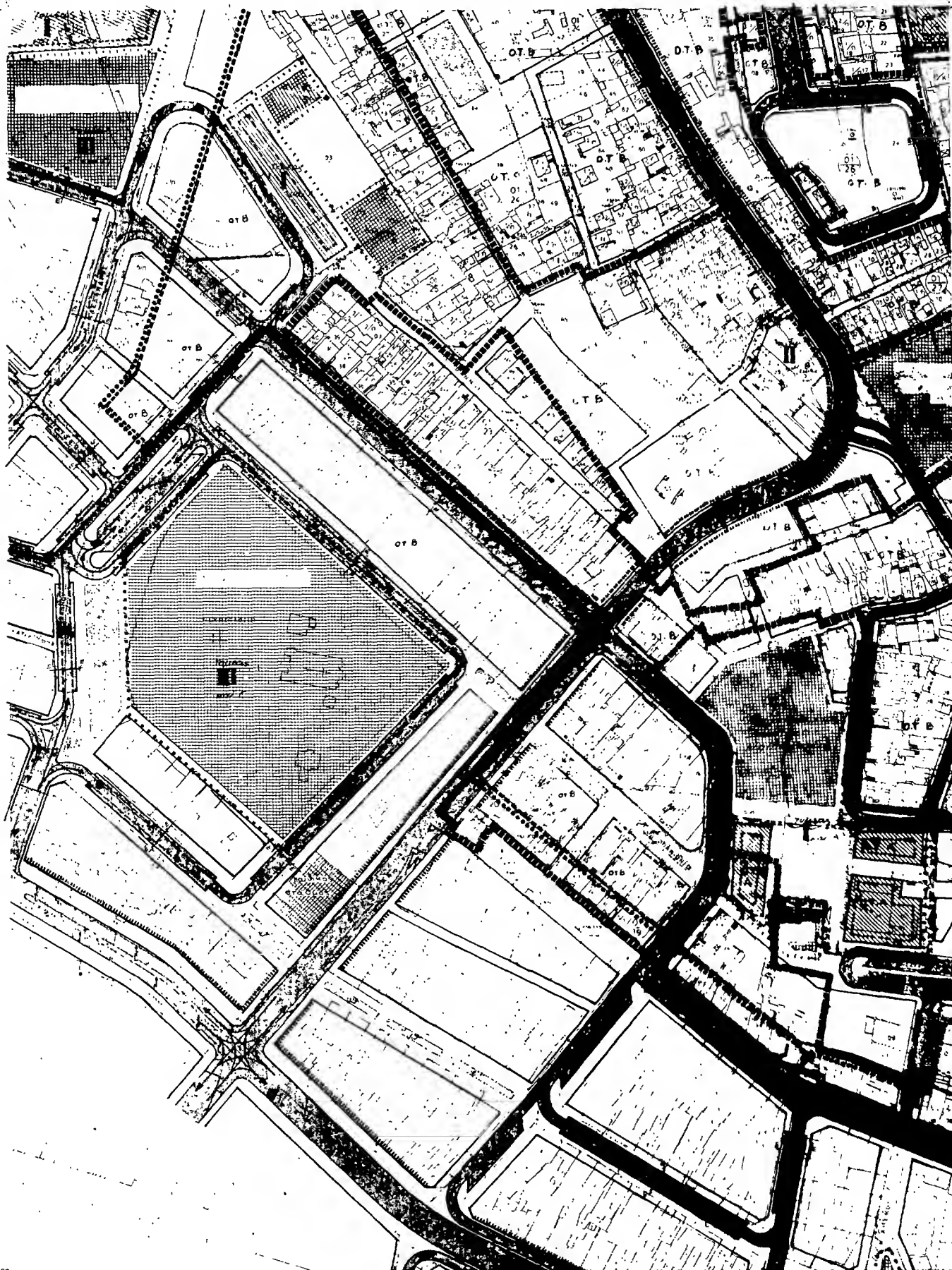
ΑΡΙΣΤΟΤΕΛΗΣ ΓΡΑΜΜΑΝΑΝΗΣ
ΤΕΧΝΙΚΟΣ ΜΗΧΑΝΙΚΟΣ



| | | |
|----------------|-----|-------------|
| NOMOS | 30 | EYBOIAT |
| ΔΗΜΟΣ | 001 | XAKIΔEON |
| ΕΒΟΒΟΣ ΑΥΤΑΓΗΣ | | ΤΑΧΥΜΕΤΡΙΚΗ |
| ΛΟΦΟΣ ΑΥΤΑΓΗΣ | | 1984 |

ΥΠΟΥΡΓΕΙΟ ΕΡΓΩΝ
Τ. Π. & Π. Ε.

ΚΤΗΜΑΤΟΛΟΓΙΚΟ ΔΙΑΓΡΑΜΜΑ



ΠΡΟΒΟΛΙΚΟ ΣΥΣΤΗΜΑ ΜΑΤΤ

Κ.Φ.Χ. ΧΑΛΚΙΣ ΔΟΧ. 1079 ΔΕΚ 1081

Φ : + 38° 15'

Λ : - 0° 15'

Ο ΕΠΙΒΛΕΠΩΝ

Κλίμακα 1:1000

Ο ΑΝΑΔΟΧΟΣ

ΓΕΩΡΓΙΟΣ ΜΠΑΜΠΑΛΗΣ
ΤΟΠΟΓΡΑΦΟΣ ΜΗΧΑΝΙΚΟΣΑΡΙΣΤΟΤΕΛΗΣ ΓΡΑΜΜΑΝΔΑΝΗΣ
ΤΟΠΟΓΡΑΦΟΣ ΜΗΧΑΝΙΚΟΣ

| | | |
|------------------|-----|-------------|
| ΝΟΜΟΣ | 30 | ΕΥΒΟΙΑΣ |
| ΔΗΜΟΣ | 001 | ΧΑΛΚΙΔΕΩΝ |
| ΜΕΘΟΔΟΣ ΣΥΝΤΑΞΗΣ | | ΤΟΧΟΜΕΤΡΙΚΗ |
| Χρόνος σύνταξης | | 1966 |

ΕΛΛΗΝΙΚΗ ΔΗΜΟΚΡΑΤΙΑ
ΥΠΟΥΡΓΕΙΟ ΠΑΙΔΕΙΑΣ, ΕΡΕΥΝΑΣ ΚΑΙ ΘΡΗΣΚΕΥΜΑΤΩΝ
ΙΝΣΤΙΤΟΥΤΟ ΤΕΧΝΟΛΟΓΙΑΣ ΥΠΟΛΟΓΙΣΤΩΝ ΚΑΙ ΕΚΔΟΣΕΩΝ ΔΙΔΑΚΤΙΚΩΝ ΒΙΒΛΙΩΝ

ΕΛΛΗΝΙΚΟ ΠΑΝΕΠΙΣΤΗΜΙΟ ΤΕΧΝΟΛΟΓΙΑΣ
ΣΧΟΛΗ ΠΟΛΙΤΙΚΩΝ ΜΗΧΑΝΙΚΩΝ
ΤΜΗΜΑ ΜΗΧΑΝΙΚΗΣ

ΕΡΓΑΣΙΑ

ΤΕΜΑ: ...

ΟΝΟΜΑΤΕΠΩΝΥΜΟ: ...

ΑΡΙΘΜΟΣ ΜΑΘΗΤΗ: ...

ΗΜΕΡΟΜΗΝΙΑ: ...

ΕΠΙΜΕΛΕΤΗΣ: ...

ΕΛΛΗΝΙΚΟ ΠΑΝΕΠΙΣΤΗΜΙΟ ΤΕΧΝΟΛΟΓΙΑΣ
ΣΧΟΛΗ ΠΟΛΙΤΙΚΩΝ ΜΗΧΑΝΙΚΩΝ
ΤΜΗΜΑ ΜΗΧΑΝΙΚΗΣ

ΕΡΓΑΣΙΑ

ΤΕΜΑ: ...

ΟΝΟΜΑΤΕΠΩΝΥΜΟ: ...

ΑΡΙΘΜΟΣ ΜΑΘΗΤΗ: ...

ΗΜΕΡΟΜΗΝΙΑ: ...

ΕΠΙΜΕΛΕΤΗΣ: ...

ΕΛΛΗΝΙΚΗ ΔΗΜΟΚΡΑΤΙΑ
ΥΠΟΥΡΓΕΙΟ ΠΑΙΔΕΙΑΣ, ΕΡΕΥΝΑΣ ΚΑΙ ΘΡΗΣΚΕΥΜΑΤΩΝ
ΙΝΣΤΙΤΟΥΤΟ ΤΕΧΝΟΛΟΓΙΑΣ ΥΠΟΛΟΓΙΣΤΩΝ ΚΑΙ ΕΚΔΟΣΕΩΝ ΔΙΔΑΚΤΙΚΩΝ ΒΙΒΛΙΩΝ

ΕΛΛΗΝΙΚΟ ΠΑΝΕΠΙΣΤΗΜΙΟ ΤΕΧΝΟΛΟΓΙΑΣ
ΣΧΟΛΗ ΠΟΛΙΤΙΚΩΝ ΜΗΧΑΝΙΚΩΝ
ΤΜΗΜΑ ΜΗΧΑΝΙΚΗΣ

ΕΡΓΑΣΙΑ

ΤΕΜΑ: ...

ΟΝΟΜΑΤΕΠΩΝΥΜΟ: ...

ΑΡΙΘΜΟΣ ΜΑΘΗΤΗ: ...

ΗΜΕΡΟΜΗΝΙΑ: ...

ΕΠΙΜΕΛΕΤΗΣ: ...

ΕΛΛΗΝΙΚΗ ΔΗΜΟΚΡΑΤΙΑ
ΥΠΟΥΡΓΕΙΟ ΠΑΙΔΕΙΑΣ, ΕΡΕΥΝΑΣ ΚΑΙ ΘΡΗΣΚΕΥΜΑΤΩΝ
ΙΝΣΤΙΤΟΥΤΟ ΤΕΧΝΟΛΟΓΙΑΣ ΥΠΟΛΟΓΙΣΤΩΝ ΚΑΙ ΕΚΔΟΣΕΩΝ ΔΙΔΑΚΤΙΚΩΝ ΒΙΒΛΙΩΝ

ΕΛΛΗΝΙΚΟ ΠΑΝΕΠΙΣΤΗΜΙΟ ΤΕΧΝΟΛΟΓΙΑΣ
ΣΧΟΛΗ ΠΟΛΙΤΙΚΩΝ ΜΗΧΑΝΙΚΩΝ
ΤΜΗΜΑ ΜΗΧΑΝΙΚΗΣ

ΕΡΓΑΣΙΑ

ΤΕΜΑ: ...

ΟΝΟΜΑΤΕΠΩΝΥΜΟ: ...

ΑΡΙΘΜΟΣ ΜΑΘΗΤΗ: ...

ΗΜΕΡΟΜΗΝΙΑ: ...

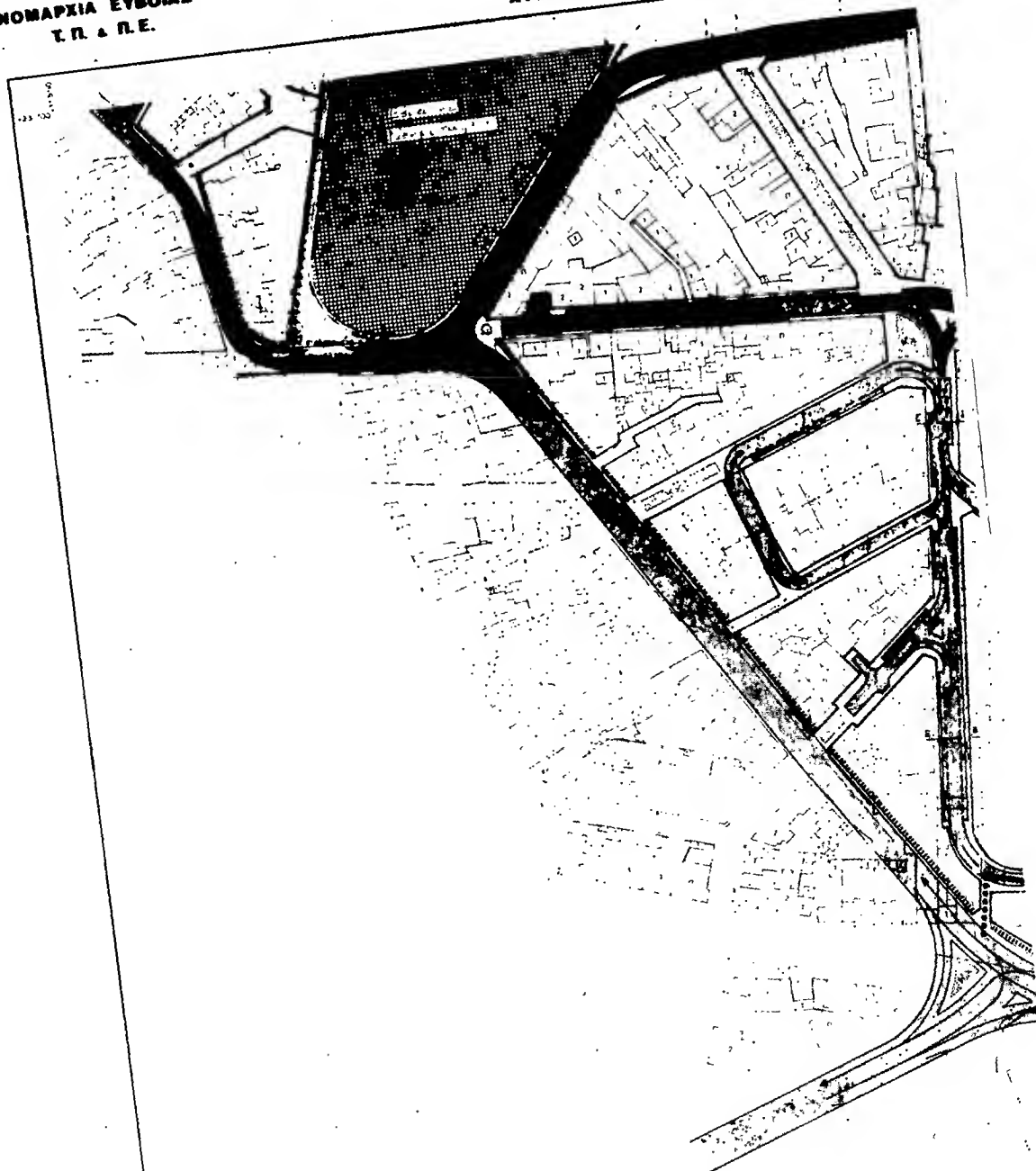
ΕΠΙΜΕΛΕΤΗΣ: ...

11910

ΕΦΗΜΕΡΙΣ ΤΗΣ ΚΥΒΕΡΝΗΣΕΩΣ (ΤΕΥΧΟΣ ΤΕΤΑΡΤΟ)

ΝΟΜΑΡΧΙΑ ΕΥΒΟΙΑΣ
Τ.Π. & Π.Ε.

ΚΤΗΜΑΤΟΛΟΓΙΚΟ ΔΙΑΓΡΑΜΜΑ



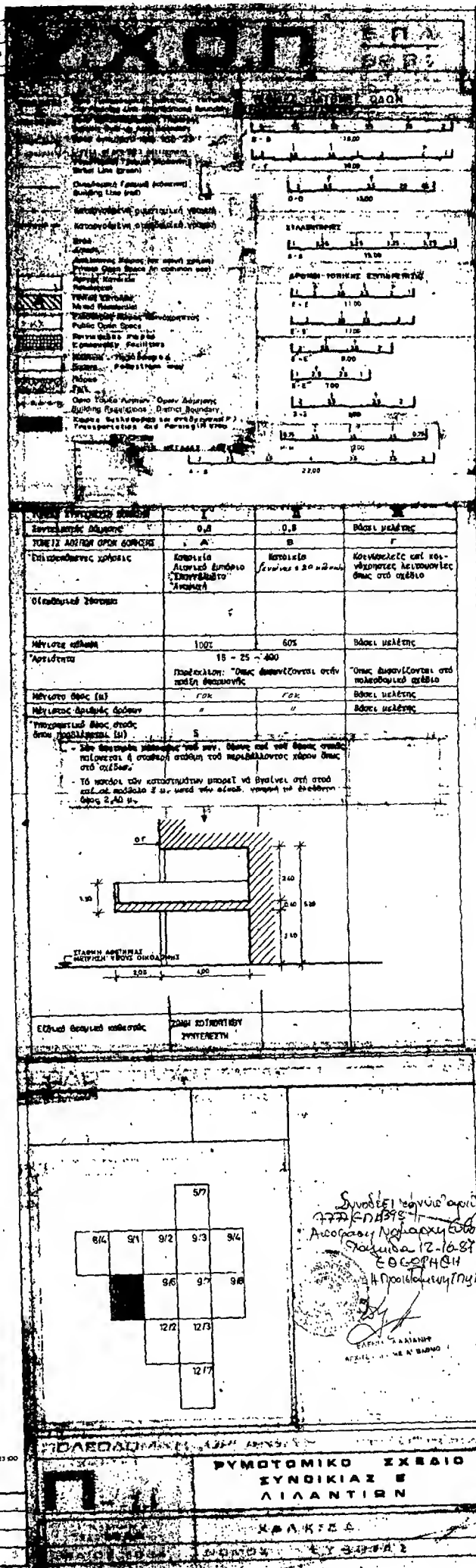
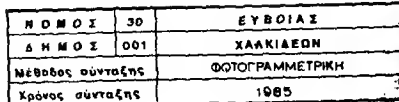
ΠΡΟΒΟΛΙΚΟ ΣΥΣΤΗΜΑ NAD 83
Κ.Θ.Σ. ΧΑΛΚΙΣ
φ. = 38° 15'
λ. = 0° 15'

ΓΕΩΓΡ. ΜΕΤΡΗΣΕΙΣ
ΤΟΠΟΓΡΑΦ. ΜΕΤΡΗΣΕΙΣ

Κλίμακα 1:1.000

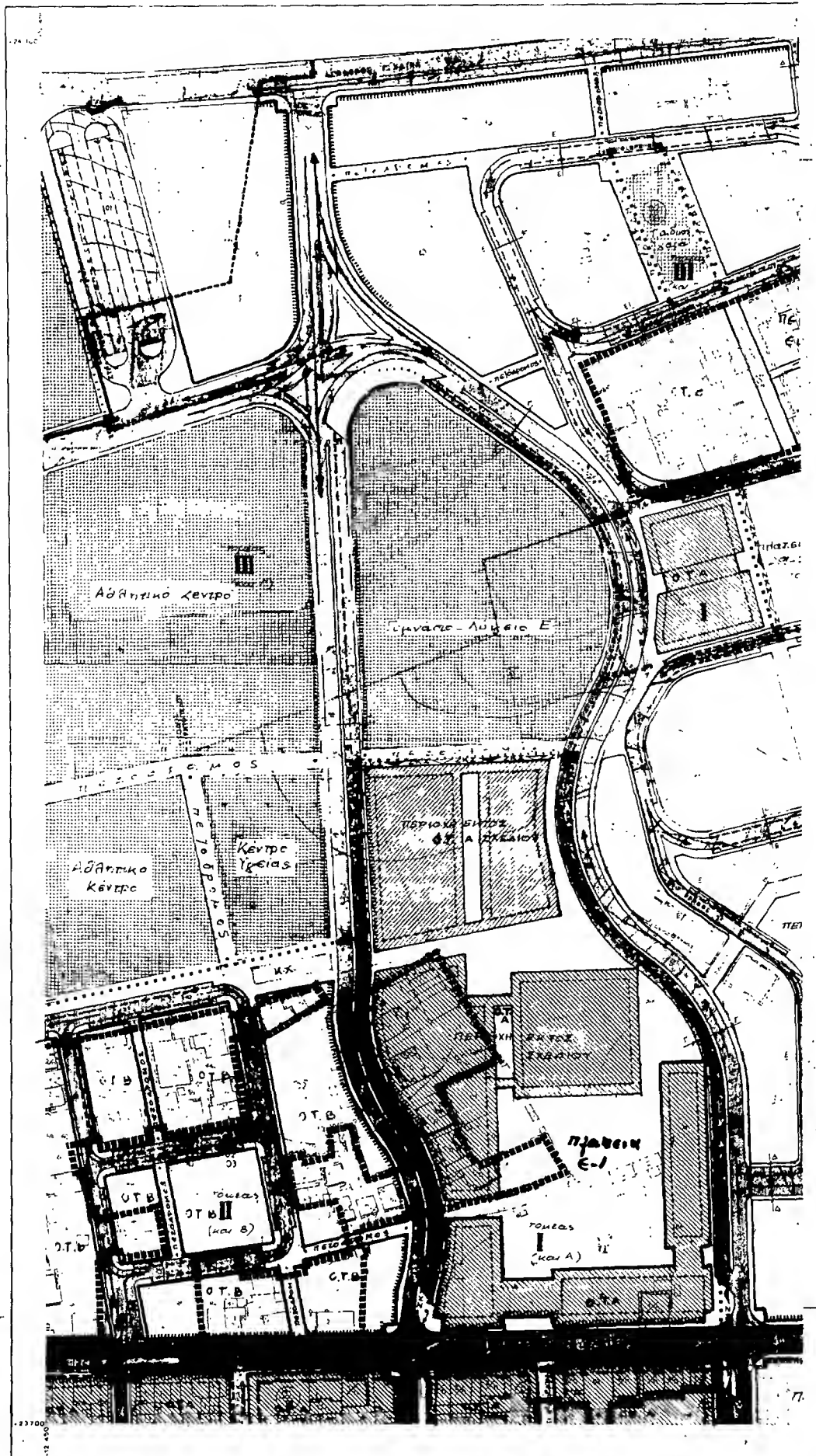
Ο ΑΝΑΘΟΚΟΣ

ΑΡΙΣΤΟΤΕΛΗΣ ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΑΣ
ΤΟΠΟΓΡΑΦ. ΜΕΤΡΗΣΕΙΣ



~~CONFIDENTIAL~~ EVIDENCE
T. P. & P. E.

ΚΤΗΜΑΤΟΛΟΓΙΚΟ ΔΙΑΓΡΑΜΜΑ



ΠΡΟΒΟΛΙΚΟ ΣΥΣΤΗΜΑ ΗΑΤΤ

Ο ΕΠΙΒΛΕΠΩΝ

Κλίμακα 1:1.000

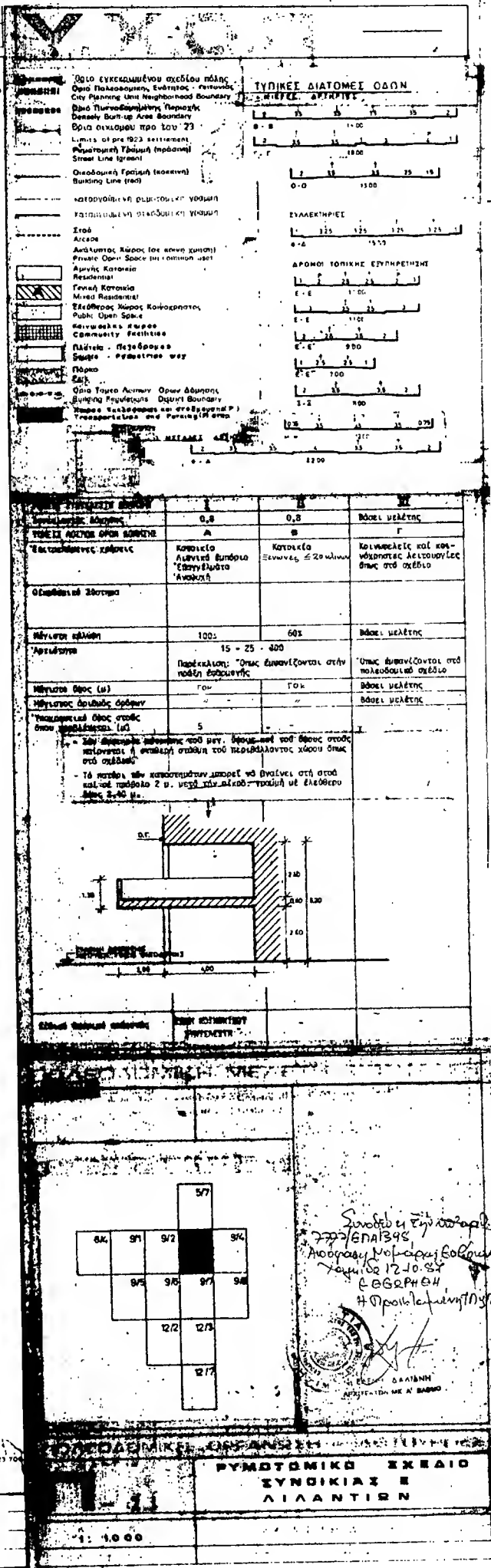
Ο ΑΝΑΔΟΧΟΣ

Κ.Φ.Χ. ΧΑΛΚΙΣ

 $\varphi = +38^{\circ} 15'$ $\lambda = -0^{\circ} 15'$

ΓΕΩΡΓΙΟΣ ΜΠΑΜΠΑΝΙΣ
ΣΥΛΛΗΓΗΣ ΣΤΑΘΕΡΗΣ ΜΕΛΕΤΗΜΕΝΟΥ

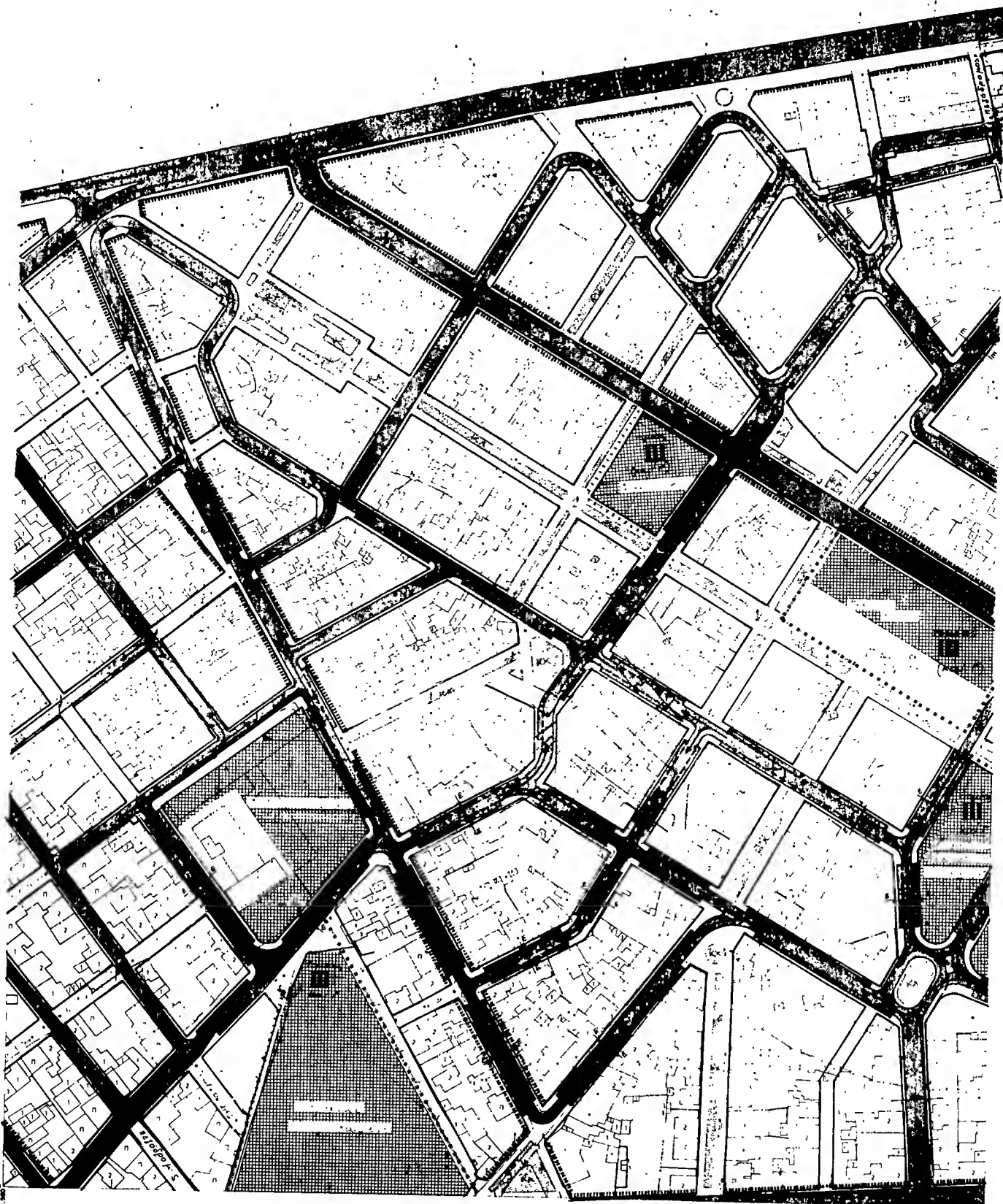
ΑΡΙΣΤΟΤΕΛΗΣ ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΑΝΗΣ
ΤΟΜΗΙ ΡΑΦΟΙ ΜΗΧΑΝΙΚΟΙ



| | | |
|------------------|-----|-------------|
| Ν Ο Μ Ο Σ | 30 | ΕΥΒΟΙΑΣ |
| Δ Η Μ Ο Σ | 001 | ΧΑΛΚΙΔΕΩΝ |
| ΜΕΘΟΔΟΣ ΣΥΝΤΑΞΗΣ | | ΤΑΧΥΜΕΤΡΙΚΗ |
| ΧΡΟΝΟΣ ΣΥΝΤΑΞΗΣ | | 1984 |

ΝΟΜΑΡΧΙΑ ΕΥΒΟΙΑΣ
Τ. Π. & Π. Ε.

ΚΤΗΜΑΤΟΛΟΓΙΚΟ ΔΙΑΓΡΑΜΜΑ



ΠΡΟΒΟΛΙΚΟ ΣΥΣΤΗΜΑ ΜΑΤΤ

ΚΑΔ. ΧΑΛΚΙΣ

Φ. 30° 15'

Αλ. 0° 15'

Ο ΕΠΙΒΛΕΠΩΝ

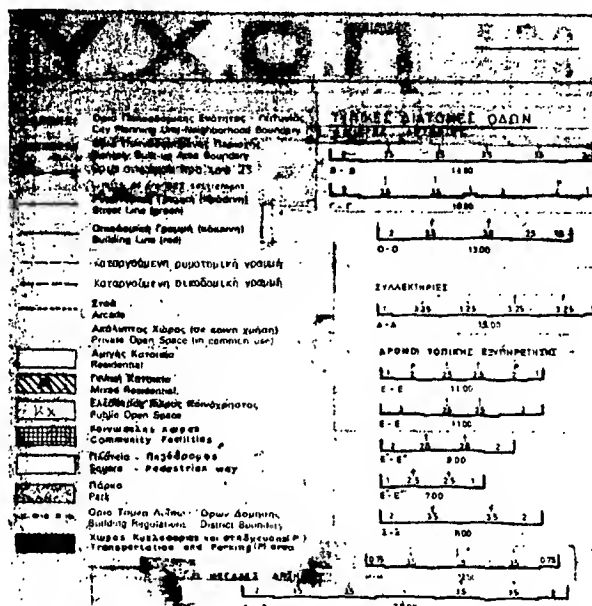
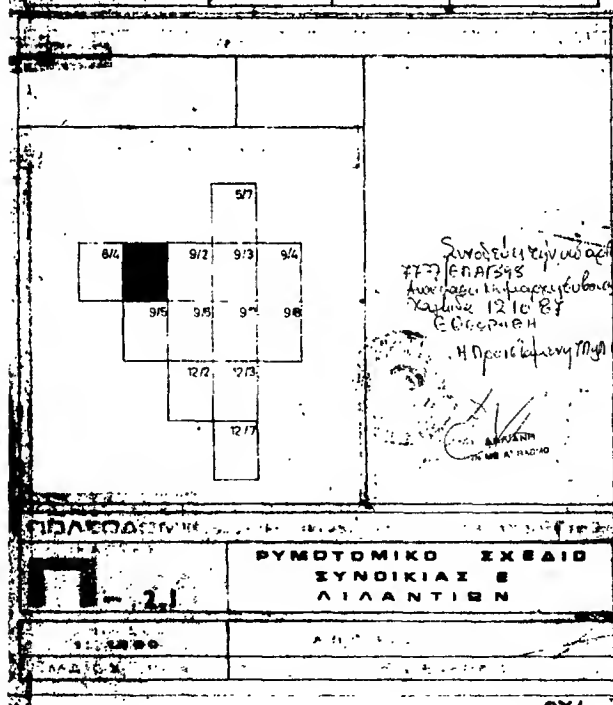
Κλίμακα 1:1.000

Ο ΑΝΑΔΟΧΟΣ

ΓΕΩΡΓΙΟΣ ΜΠΑΜΠΑΛΗΣ
ΤΟΠΟΓΡΑΦΟΣ ΜΗΧΑΝΙΚΟΣ

ΑΡΙΣΤΟΤΕΛΗΣ ΓΡΑΜΜΑΤΣΑΝΗΣ
ΤΟΠΟΓΡΑΦΟΣ ΜΗΧΑΝΙΚΟΣ

| | | |
|------------------|-----|-----------------|
| ΝΟΜΟΣ | 30 | ΕΥΒΟΙΑΣ |
| ΔΗΜΟΣ | 001 | ΧΑΛΚΙΔΕΩΝ |
| Μέθοδος σύνταξης | | ΦΟΤΟΓΡΑΜΜΕΤΡΙΚΗ |
| Χρόνος σύνταξης | | 1985 |

[illegible]

Άρση ασυμφωνίας του εγκεκριμένου σχεδίου πόλεως Μυτιλήνης στην οδό Πύρρας.

ἔχοντας υπόψη:

- 1) Τις διατάξεις του από 18.10.25 Π. Δ/τος περί τρόπου διορθώσεως ασυμφώνων υφισταμένων μεταξύ του σχεδίου και επί του εδάφους εφαρμοσθέντος τούτου.

- 2) Το σχέδιο διανομή του Συνοικισμού Λαγκάδας Μυτιλήνης.
- 3) Το άρθρο 2 του από 10 Μαΐου 1958 Δ/τος.
- 4) Το τοπογραφικό διάγραμμα του Πολ/κού Μηχ/κού Ερμ. Ζαμ-
τράκη στο οποίο εμφανίζεται η εν τοις πράγμασι διαμορφωμένη κατά-
σταση.
- 5) Την υπ' αριθμ. 98/20.7.84 πράξη γνωμοδότησης του Συμβου-

λιου ΧΟΠ Ν. Λέσβου που τάσσεται υπέρ της προτεινόμενης διορθώσεως της ασυμφωνίας του εγκεκριμένου σχεδίου όπως αυτή απεικονίζεται στο συνημμένο τοπογραφικό διάγραμμα, αποφασίζουμε:

Υπέρ της άρσης ασυμφωνίας όπως φαίνεται στο συνημμένο τοπογραφικό διάγραμμα επειδή έχει διαμορφωθεί πραγματική οικοδομική γραμμή με παλαιότερες νόμιμες άδειες σε θέση διάφορη από την προβλεπόμενη.

Επίσης η πρόταση των μελετητών της ΕΠΑ η οποία έχει εγκριθεί από όλα τα συλλογικά γνωμοδοτικά όργανα και τελεί προς υπογραφή από τον αρμόδιο Υπουργό ΠΕ.ΧΩ.ΔΕ., προβλέπει ρύθμιση του θέματος σύμφωνα με τα προτεινόμενα στην παραπάνω άρση ασυμφωνίας.

Μυτιλήνη, 9 Σεπτεμβρίου 1987

Ο Νομάρχης
Κ. ΚΕΝΤΡΟΣ

[illegible]